



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

82
21/11

सं० 151]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 8, 1989/श्रावण 17, 1911

No. 151]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 8, 1989/SRAVANA 17, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात-आपार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना नं. 152 आई टी सी (पी एन)/88 91

नई दिल्ली, 8 अगस्त 1989

विषय — अप्रैल 1988—मार्च, 1991 के लिए प्रक्रिया पुस्तक ।

"काएन स 6/51/85-ई पी सी से जारी—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 2 आई टी सी (पी एन) 88-91, दिनांक 10 मार्च, 1988 के
प्रवीन प्रकाशित अप्रैल 1988-मार्च 1991 की यथा मशोर्हित प्रक्रिया पुस्तक की ओर ध्यान दिया जाता है।

2. निम्नलिखित संशोधन नीचे दिए गए अधिनियमों पर किए जाएंगे :—

क्रम.सं.	प्रक्रिया पुस्तक 1988-91 की पृष्ठ सं.	सन्दर्भ	संशोधन
1	2	3	4
1.	386-387 (390-391)	परिशिष्ट 19-च शुल्क छूट स्कीम के अधीन निष्पादित किया जाने वाला नियति बाध्यताओं की अतिपूति एवं प्रत्याभूति बंधपत्र का प्राप्तिपत्र पैरा 5(छ) के बाद शर्त (2)	(1) शर्त (2) की 18वीं पंक्ति में "किसी भी कारणवश" शब्दों के स्थान पर "उपयुक्त कारणों की ओर" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे। (2) शर्त (2) की 23वीं पंक्ति में "कोई राशि" शब्द को "ऐसी राशि" शब्द द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।
2.	386-387 (390-391)	परिशिष्ट 19-च शुल्क छूट स्कीम के अधीन निष्पादित किया जाने वाला नियति बाध्यताओं की अतिपूति प्रत्याभूति बंधपत्र का प्राप्तिपत्र शर्त (10)	(1) इस शर्त का निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— "उपयुक्त के होते हुए भी गारंटीकर्ता बैंक द्वारा दी गई गारंटी निम्नलिखित के अन्तर्गत तब तक के लिए लागू रहेगी— "(बाण्ड के निष्पादन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए) और यदि उक्त तारीख के भीतर सरकार द्वारा कोई दावा नहीं किया जाता है तो गारंटीकर्ता बैंक को इस गारंटी के अन्तर्गत सभी वेय अदायगियों का बहन करना होगा। प्राये यह भी सहमति दी जाती है कि उक्त तारीख तक इस आयातक के सभी आभारों को सरकार की पूर्ण और अन्तिम मनुष्य से बहन नहीं किया जाता तो उस मामले में गारंटीकर्ता बैंक और आयातक को या तो इसका स्वीकरण और जैसा भी सरकार द्वारा प्रेषित हो इस गारंटी को प्राये की अवधि के लिए इसकी वैधता को पुनः बढ़ाया जाएगा या गारंटीकर्ता बैंक को सरकार द्वारा बाण्ड की गई राशि को बिना किसी पूर्वापत्ति के अतिपूति-सह-गारंटी बाण्ड की समाप्ति के पूर्व किसी भी समय शर्त करना होगा।"
3.	398-392 (394-396)	परिशिष्ट 19-ज मध्यवर्ती अधिनियम लाइसेंसों पर शुल्क मुक्त स्कीम के अन्तर्गत मध्यवर्ती विनिर्माताओं द्वारा निष्पादित किया जाने वाला नियति आभारों संबंधी अतिपूति-सह-गारंटी बाण्ड फार्म पैरा 7(छ) के उपरान्त शर्त (2)	(1) शर्त (2) की अठारहवीं लाइन में "कारण जो कोई भी हो" शब्दों को "उपयुक्त कारणों के ओर" शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। (2) शर्त (2) की तेइसवीं लाइन में "कोई राशि" शब्दों को "ऐसी राशि" शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा।
4.	399-392 (394-396)	परिशिष्ट 19-ज मध्यवर्ती अधिनियम लाइसेंसों पर शुल्क मुक्त स्कीम के अन्तर्गत मध्यवर्ती विनिर्माताओं द्वारा निष्पादित किया जाने वाला नियति आभारों संबंधी अतिपूति-सह-गारंटी बाण्ड फार्म शर्त (10)	(1) इस शर्त को निम्नोक्त द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :— "उपयुक्त के होते हुए भी गारंटीकर्ता बैंक द्वारा दी गई गारंटी निम्नलिखित के अन्तर्गत तब तक के लिए लागू रहेगी— "(बाण्ड के निष्पादन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए) और यदि उक्त तारीख के भीतर सरकार द्वारा कोई दावा नहीं किया जाता है तो गारंटीकर्ता बैंक को इस गारंटी के अन्तर्गत सभी वेय अदायगियों का बहन करना होगा। प्राये यह भी सहमति दी जाती है कि उक्त तारीख तक इस आयातक के सभी आभारों को सरकार की पूर्ण और अन्तिम मनुष्य से बहन नहीं किया जाता तो उस मामले में गारंटीकर्ता बैंक और आयातक को या तो इसका स्वीकरण और जैसा भी सरकार द्वारा प्रेषित हो इस गारंटी को प्राये की अवधि के लिए इसकी वैधता को पुनः बढ़ाया जाएगा या गारंटीकर्ता बैंक को सरकार द्वारा बाण्ड की गई राशि को बिना किसी पूर्वापत्ति के अतिपूति-सह-गारंटी बाण्ड की समाप्ति के पूर्व किसी भी समय शर्त करना होगा।"

3. उपर्युक्त संशोधन लोकहित में किए गए हैं। कालम 2 में कोष्ठकों में दी गई संख्या 31 मार्च, 1989 तक यथासंशोधित प्रक्रिया पुस्तक की पृष्ठ संख्या है।

तेजेन्द्र बस्रा, मुख्य निबंधक,
(आयात-निर्मात)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 152—ITC (PN)/88-91.

New Delhi, the 8th August, 1989

Subject : Hand Book of Procedures for April, 1988— March, 1991.

File No. 6/51/85—EPC.— Attention is invited to the Hand Book of Procedures for April, 1988-March, 1991, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/88-91 dated the 30th March, 1988, as amended.

2. The following amendments shall be made in the Handbook at appropriate places indicated below:—

Sl. No.	Page No. of Hand Book of Procedures, 1988-91.	Reference	Amendments
1	2	3	4
1.	386—387 (390—391)	APPENDIX-XIX-F INDEMNITY-CUM-GUARANTEE BOND FORM OF EXPORT OBLIGATIONS TO BE EXECUTED UNDER DUTY EXEMPTION SCHEME CONDITION (ii) AFTER PARA 5(g)	(i) In the eighteenth line of Condition (ii), the words, "reason whatsoever" shall be substituted by the words "of the aforesaid reasons and" (iii) In the twenty-third line of Condition (ii), the words "any sum" shall be substituted by the words "such sum".
2.	386—387 (390—391)	APPENDIX-XIX-F INDEMNITY-CUM-GUARANTEE BOND FORM OF EXPORT OBLIGATIONS TO BE EXECUTED UNDER DUTY EXEMPTION SCHEME CONDITION (x)	(i) This condition shall be substituted by the following:— "Notwithstanding the above, this Guarantee by the Guarantor Bank hereunder shall remain in force till ————— (for a period of 3 years from the date of the execution of the bond) and of no claim is made by the Government within the said date, the Guarantor Bank will be discharged of all the liabilities of payment under this guarantee. It is further agreed that in the event of all the obligations of this importer being not duly discharged to the full and final satisfaction of the Government by the aforesaid date, the Guarantor Bank and the importer shall either renew and revive the validity of this guarantee for a further period as may be required by the Government, or the Guarantor Bank shall pay at any time prior to the expiry of the Indemnity-cum-Guarantee Bond without any demur, the amount as may be demanded by the Government".
3.	390—392 (394—396)	APPENDIX-XIX-H INDEMNITY-CUM-GUARANTEE BOND FORM OF	(i) In the eighteenth line of Condition (ii), the words, "reason whatsoever" shall be substituted by the words "of the aforesaid reasons and".

1	2	3	4
		EXPORT OBLIGATIONS TO BE EXECUTED BY THE INTERMEDIATE MANUFACTURER UNDER DUTY EXEMPTION SCHEME AGAINST INTERMEDIATE ADVANCE LICENCES. CONDITION (ii) AFTER PARA 7(g)	(ii) In the twenty-third line of Condition (ii), the words "any sum" shall be substituted by the words "such sum".
4. 390—392 (394—396)		APPENDIX-XIX-H INDEMNITY-CUM-GUARANTEE BOND FORM OF EXPORT OBLIGATION TO BE EXECUTED BY THE INTERMEDIATE MANUFACTURER UNDER DUTY EXEMPTION SCHEME AGAINST INTERMEDIATE ADVANCE LICENCES CONDITION (x)	(i) This condition shall be substituted by the following: — "Notwithstanding the above, this Guarantee by the Guarantor Bank hereunder shall remain in force till ————— (for a period of 3 years from the date of the execution of the bond) and if no claim is made by the Government within the said date, the Guarantor Bank will be discharged of all the liabilities of payment under this guarantee. It is further agreed that in the event of all the obligations of this importer being not duly discharged to the full and final satisfaction of the Government by the aforesaid date, the Guarantor Bank and the importer shall either renew and revive the validity of this guarantee for a further period as may be required by the Government, or the Guarantor Bank shall pay at any time prior to the expiry of the Indemnity-cum-Guarantee Bond without any demur, the amount as may be demanded by the Government."

3. The above amendments have been made in public interest. The number in brackets in Col. 2 indicates the page number of the Hand Book of Procedures, as amended upto 31st March, 1989.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Imports and Exports